

**Effective Communication MCQ Quiz - Objective
Question with Answer for Effective Communication -
Download Free PDF**

✓ Rule-

Read All Question Carefully

Answer in 30 Seconds

Make notes from Explanation

Identify the skills promoted by communication from the following:

A) Reading and listening ✓

B) Listening and helping

C) Helping and speaking

D) Speaking and writing ✓

Choose the correct option:

A) and B) only

B) and C) only

A) and D) only ✓

C) and D) only

1

✓

निम्नलिखित में से संचार द्वारा बढ़ावा देने वाले कौशल की पहचान करें:

ए) पढ़ना और सुनना

बी) सुनना और मदद करना

ग) मदद करना और बोलना

डी) बोलना और लिखना ✓

सही विकल्प चुनें:

1. ए) और बी) केवल

2. बी) और सी) केवल

3. ए) और डी) केवल ✓

4. सी) और डी) केवल

संचार कौशल: ✓

संचार सूचना का दोतरफा आदान-प्रदान है, अर्थात् देना और प्राप्त करना। किसी से बात करना और लिखना सूचना देने के उदाहरण हैं। किसी को पढ़ना और सुनना सूचना प्राप्त करने के उदाहरण हैं।

- ✓ 1. **सुनना:** यह एक आवश्यक कौशल है जो अन्य सभी कौशल प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करता है। यह बोली जाने वाली भाषा से अर्थ निकालने की प्रक्रिया है। इसमें भाषा की ध्वनियों को प्राप्त करना, ध्वनियों को शब्दों में संसाधित करना, शब्दों को अर्थ प्रदान करना और वक्ता के संदेश की व्याख्या करना शामिल है।
- ✓ 2. **बोलना:** यह सुनने की तुलना में अधिक जटिल कौशल है। इसमें किसी भाषा की व्याकरणिक, शाब्दिक और सांस्कृतिक विशेषताओं के बारे में जागरूकता, कहां, कब, क्यों, कैसे और क्या बोलना है और सही उच्चारण और समझने योग्य भाषा बनाने की क्षमता के बारे में जागरूकता शामिल है।
- ✓ 3. **पढ़ना:** इसे ज्ञान का प्रवेश द्वार माना जाता है। किसी की पढ़ने की क्षमता उसकी अकादमिक सफलता तय करती है। इसमें सामग्री, शब्दावली, संरचनाओं, अवधारणाओं और विचारों के संबंधों के अर्थ को समझना शामिल है। यह लिखित या मुद्रित प्रतीकों को देखने और उन्हें उपयुक्त ध्वनि घटकों में अनुवाद करने की प्रक्रिया है।
4. **लेखन:** यह एक सचेत, जानबूझकर और नियोजित गतिविधि है। यह लेखन के यांत्रिकी का उपयोग करने में लेखक की भाषाई क्षमता को दर्शाता है। लेखन कौशल का उपयोग लेखक की मानसिक क्षमता और भाषा प्रवीणता पर निर्भर करता है। इसमें कुछ उप-कौशल जैसे यांत्रिकी, शब्द चयन, संगठन, वाक्य रचना, व्याकरण, सामग्री, उद्देश्य और लेखन प्रक्रिया शामिल हैं। ✓ ✓ ✓ ✓

इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि संचार द्वारा प्रोत्साहित कौशल सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना है।

Communication Skills:

Communication is a two-way exchange of information, i.e., giving and receiving. Speaking and writing to someone are examples of giving information. Reading and listening to someone are examples of receiving information.

Listening: It is an essential skill that facilitates the acquiring of all other skills. It is the process of making meaning out of the spoken language. It involves receiving the sounds of the language, processing sounds into words, assigning meaning to the words and interpreting the speaker's message.

Speaking: It is a more complex skill than listening. It involves an awareness of the grammatical, lexical and cultural features of a language, an awareness of where, when, why, how and what to speak and the correct pronunciation and the ability to produce understandable language.

Reading: It is considered as the gateway to knowledge. One's reading ability decides his/her academic success. It involves understanding the meaning of content, vocabulary, structures, concepts and relationships of ideas. It is the process of looking at written or printed symbols and translating them into appropriate sound components.

Writing: It is a conscious, deliberate and planned activity. It refers to the writer's linguistic ability in making use of the mechanics of writing. The use of writing skill depends on the mental ability and language proficiency of the writer. It involves some sub-skills such as mechanics, word selection, organization, syntax, grammar, content, purpose and the writing process.

Hence, it can be concluded that the skills promoted by communication are listening, speaking, reading and writing.



The key to effective listening by students in a classroom is-

1. Sympathy towards the teacher
2. Interest in informal education
3. Empathetic learning
4. Desire to memorize

कक्षा में छात्रों द्वारा प्रभावी ढंग से सुनने की कुंजी है

1. शिक्षक के प्रति सहानुभूति
2. अनौपचारिक शिक्षा में रुचि
3. सहानुभूतिपूर्ण शिक्षा
4. याद करने की इच्छा

Importance of active learning:

- The importance of active listening also branches into social-emotional development.
- Active listening promotes mindful thinking, which can reduce anxiety and depression in students.
- It can also help students build relationships because as they engage themselves in conversation, their peers are more likely to view them as open and interested.
- And finally, practicing active listening can promote empathy—a skill that can enrich a student's life both in and outside of the classroom.

Important Points

On average, people listen at about 25% of their potential. And in the classroom, teachers often understand that listening is an important skill to have but rarely teach it. Active listening is easiest when there are fewer distractions. Active listening is a particular communication technique that requires the listener to provide feedback on what he or she hears to the speaker, by way of restating or paraphrasing what they have heard in their own words. Active learning promotes empathy in the students which help them to enrich their life in and outside the classroom.

Hence, option (3) is correct

प्रमुख बिंदु

सक्रिय सीखने का महत्व :

- सक्रिय श्रवण का महत्व सामाजिक-भावनात्मक विकास में भी शाखाओं में बंटा है।
- सक्रिय रूप से सुनना दिमागी सोच को बढ़ावा देता है, जो छात्रों में चिंता और अवसाद को कम कर सकता है।
- यह छात्रों को संबंध बनाने में भी मदद कर सकता है क्योंकि जैसे-जैसे वे बातचीत में संलग्न होते हैं, उनके साथियों द्वारा उन्हें खुले और रुचि के रूप में देखने की अधिक संभावना होती है।
- और अंत में, सक्रिय रूप से सुनने का अभ्यास सहानुभूति को बढ़ावा दे सकता है - एक ऐसा कौशल जो कक्षा के अंदर और बाहर दोनों जगह एक छात्र के जीवन को समृद्ध कर सकता है।

महत्वपूर्ण बिंदु

औसतन, लोग अपनी क्षमता का लगभग 25% सुनते हैं। और कक्षा में, शिक्षक अक्सर समझते हैं कि सुनना एक महत्वपूर्ण कौशल है, लेकिन इसे शायद ही कभी पढ़ाते हैं। कम ध्यान भंग होने पर सक्रिय सुनना आसान होता है। सक्रिय सुनना एक विशेष संचार तकनीक है जिसके लिए श्रोता की आवश्यकता होती है कि वह स्पीकर को जो कुछ भी सुनता है, उस पर प्रतिक्रिया प्रदान करे, जो उन्होंने अपने शब्दों में सुना है। सक्रिय शिक्षण छात्रों में सहानुभूति को बढ़ावा देता है जो उन्हें कक्षा के अंदर और बाहर अपने जीवन को समृद्ध बनाने में मदद करता है।

अतः विकल्प (3) सही है

Which of the following is a powerful determinant for effective assertive communication whether written or spoken? ✓

1. 'They' messages
2. 'We' messages
3. 'You' messages
4. 'I' messages ✓

3

निम्नलिखित में से कौन प्रभावी मुखर संचार के लिए एक शक्तिशाली निर्धारक है, चाहे वह लिखित हो या बोला गया हो? ✓

1. 'वे' संदेश
2. 'हम' संदेश
3. 'आप' संदेश
4. 'मैं' संदेश

✓ **संचार की शैलियाँ:** एक तरीका जिसमें प्रत्येक व्यक्ति बातचीत करता है और विचारों का आदान-प्रदान करता है, अद्वितीय है और इसे संचार की शैली माना जाता है।

महत्वपूर्ण संचार शैलियाँ हैं:

• निश्चयात्मक/ मुखर संचार: _____

• आक्रामक _____

• निष्क्रिय _____

• आक्रामक निष्क्रिय _____

ए) मुखर संचार:

मुखरता का अर्थ है अपनी बात को इस तरह से व्यक्त करना जो दूसरों का सम्मान करते हुए स्पष्ट और प्रत्यक्ष हो। मुखर तरीके से संवाद करने से आपको निम्न में मदद मिल सकती है: संघर्ष को कम करना। क्रोध पर नियंत्रण रखें

✓ 1. संचार का सबसे प्रभावी और स्वास्थ्यप्रद रूप मुखर शैली है।

2. जब हमारा आत्म-सम्मान बरकरार रहता है, तो हम स्वाभाविक रूप से खुद को व्यक्त करते हैं, जिससे हमें बिना खेल और हेरफेर के संवाद करने का विश्वास मिलता है। यह एक समूह के बजाय एक व्यक्ति पर केंद्रित है।

3. मुखर व्यवहार की विशेषताओं में अपनी भावनाओं, जरूरतों, विचारों और अधिकारों को इस तरह से व्यक्त करना शामिल है जो दूसरों के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करते हैं। मुखर व्यवहार आमतौर पर इमानदार, प्रत्यक्ष, अभिव्यंजक, सहज और आत्म-बढ़ाने वाला होता है।

4. जब हम मुखर होते हैं, तो हम पारस्परिक रूप से संतोषजनक समाधान बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं।

5. हम अपनी जरूरतों को स्पष्ट और स्पष्ट रूप से संप्रेषित करते हैं।

6. हम रिश्ते की परवाह करते हैं और जीत/जीत की स्थिति के लिए प्रयास करते हैं।

7. हम अपनी सीमाएं जानते हैं और उनसे आगे धकेलने से इनकार करते हैं क्योंकि कोई और हमसे कुछ चाहता है या चाहता है। हैरानी की बात है कि मुखर शैली ज्यादातर लोगों द्वारा सबसे कम इस्तेमाल की जाने वाली शैली है।

The important communication styles are:

Assertive ✓

Aggressive ✓

Passive ✓

Passive-Aggressive ✓

A) Assertive Communication:

Assertiveness means expressing your point of view in a way that is clear and direct, while still respecting others.

Communicating in an assertive manner can help you to: minimize conflict. control anger

The most effective and healthiest form of communication is the assertive style.

It's how we naturally express ourselves when our self-esteem is intact, giving us the confidence to communicate without games and manipulation. It focuses on an individual rather than a group.

Characteristics of assertive behavior include expressing your feelings, needs, ideas, and rights in ways that don't violate the rights of others. Assertive behavior is usually honest, direct, expressive, spontaneous, and self-enhancing.

When we are being assertive, we work hard to create mutually satisfying solutions.

We communicate our needs clearly and forthrightly.

We care about the relationship and strive for a win/win situation.

We know our limits and refuse to be pushed beyond them just because someone else wants or needs something from us.

Surprisingly, assertive style is the least used style by most people.

4

Given below are two statements: One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason(R):

Assertion (A): Effective communicators align appearance with body language and tone.

Reason (R): Such alignment forms part of the art of persuasion.

In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A)
2. Both (A) and (R) are correct and (R) is NOT the correct explanation of (A)
3. (A) is correct but (R) is not correct
4. (A) is not correct but (R) is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : प्रभावी संचारक उपस्थिति को हाव-भाव और स्वर के साथ संरेखित करते हैं।
कारण (R) : ऐसा संरेखण अनुनय-विनय की कला का हिस्सा है।
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन करें:

- ✓ 1. (ए) और (आर) दोनों सही हैं और (आर) (ए) की सही व्याख्या है
2. (ए) और (आर) दोनों सही हैं और (आर) (ए) की सही व्याख्या नहीं है
- ~~3. (ए) सही है लेकिन (आर) सही नहीं है~~
4. (ए) सही नहीं है लेकिन (आर) सही है

एक प्रभावी संचारक के गुण:

- **पालन:** अधिक से अधिक ज्ञान और जानकारी प्राप्त करने के लिए एक व्यक्ति के पास तेज अवलोकन कौशल होना चाहिए।
- ✓ ● **स्पष्टता और संक्षिप्तता :** संदेश को सरल शब्दों में तैयार किया जाना चाहिए, और यह स्पष्ट और सटीक होना चाहिए कि रिसीवर पर वांछित प्रभाव पैदा हो।
- ✓ ● **सुनना और समझना:** किसी व्यक्ति में सबसे महत्वपूर्ण कौशल यह है कि वह एक अच्छा, सतर्क और धैर्यवान श्रोता होना चाहिए। वह संदेश को अच्छी तरह से समझने और व्याख्या करने में सक्षम होना चाहिए।
- ✓ ● **भावनात्मक बुद्धिमत्ता:** एक व्यक्ति को भावनात्मक रूप से जागरूक होना चाहिए और दूसरों को भीतर से प्रभावित करने की क्षमता होनी चाहिए।
- ✓ ● **आत्म-प्रभावकारिता:** साथ ही, उसे संचार के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए खुद पर और अपनी क्षमताओं पर विश्वास होना चाहिए।
- ✓ ● **आत्म-विश्वास :** आवश्यक संचार कौशलों में से एक होने के नाते, आत्मविश्वास संदेश देने की योग्यता को बढ़ाता है।
- ✓ ● **सम्मान:** शिष्टाचार के साथ संदेश देना और प्राप्तकर्ता के मूल्यों, विश्वासों, विचारों और विचारों का सम्मान करना प्रभावी संचार का सार है।
- ✓ ● **गैर-मौखिक संचार:** रिसीवर के साथ बेहतर तरीके से जुड़ने के लिए, प्रेषक को संचार के गैर-मौखिक साधनों को भी शामिल करना चाहिए। इनमें बाँड़ी लँग्वेज, हावभाव, चेहरों के भाव, आंखों का संपर्क, मुद्राएं आदि शामिल हैं।
- ✓ ● **सही माध्यम का चयन:** संचार के लिए सही माध्यम का चुनाव भी एक कौशल है। स्थिति, संदेश की प्राथमिकता, प्राप्तकर्ता के दृष्टिकोण आदि के अनुसार उपयुक्त माध्यम का चयन करना आवश्यक है।
- ✓ ● **प्रतिक्रिया प्रदान करना:** प्रभावी संचार हमेशा दोतरफा प्रक्रिया होती है। एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी सामने लाने के लिए प्रतिक्रिया देनी चाहिए और साथ ही प्रतिक्रिया देनी चाहिए।

Qualities of an effective communicator:

① **Observance:** A person must possess sharp observing skills to gain more and more knowledge and information.

Clarity and Brevity: The message must be drafted in simple words, and it should be clear and precise to create the desired impact over the receiver.

② **Listening and Understanding:** The most crucial skill in a person is he must be a good, alert, and patient listener. He must be able to understand and interpret the message well.

Emotional Intelligence: A person must be emotionally aware and the ability to influence others from within.

③ **Self-Efficacy:** Also, he/she must have faith in himself and his capabilities to achieve the objectives of communication.

Self-Confidence: Being one of the essential communication skills, confidence enhances the worthiness of the message being delivered.

④ **Respectfulness:** Delivering a message with courtesy and respecting the values, beliefs, opinions, and ideas of the receiver are the essence of effective communication.

⑤ **Non-Verbal Communication:** To connect with the receiver in a better way, the sender must involve non-verbal means of communication too. These include body language, gestures, facial expressions, eye contact, postures, etc.

Selection of the Right Medium: Choice of the correct medium for communication is also a skill. It is necessary to select an appropriate medium according to the situation, priority of the message, the receiver's point of view, etc.

Providing Feedback: Effective communication is always a two-way process. A person must take as well as give feedback to bring forward the other person's perspective too.

1 2 3 4

wde

5

What are the most prominent elements in the management of communication in an educational institution?

- A. Sidetracking oppositional views
- B. Structuring work roles ✓
- C. Commanding over colleagues and students
- D. Keep others informed ✓
- E. Guiding others wherever possible ✓

Choose the correct answer from the options given below:

- A, B and C only
- B, C and D only
- C, D and E only
- B, D and E only ✓

एक शैक्षणिक संस्थान में संचार के प्रबंधन में सबसे प्रमुख तत्व क्या हैं?

- ए. विपक्षी विचारों को दरकिनार करना
- B. कार्य भूमिकाओं की संरचना करना
- सी. सहकर्मियों और छात्रों पर कमांडिंग
- डी. दूसरों को सूचित रखें
- ई. जहां भी संभव हो दूसरों का मार्गदर्शन करना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

- 1. केवल ए, बी और सी
- 2. केवल बी, सी और डी
- 3. सी, डी और ई केवल
- ✓ 4. केवल बी, डी और ई

एक शैक्षणिक संस्थान में संचार का प्रबंधन:

- संचार प्रबंधन कुछ उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एक निश्चित स्थिति में पारस्परिक प्रभाव की प्रक्रिया है।
 - ✓ एक शैक्षणिक संस्थान के प्रबंधन का अर्थ है संचार करना, विचारों, भावनाओं, अधीनस्थों को निर्णय और सूचना वापस करने की संभावना।
 - शिक्षक हर जगह प्रबंधक के रूप में कार्य करता है जैसे
 - छात्रों द्वारा बनाए गए शोर को प्रबंधित करने के लिए गैर-मौखिक संचार के साधन के रूप में मौन रहने की अपील
 - जहाँ भी संभव हो दूसरों का मार्गदर्शन करना
 - कार्य को पूरी तरह से चलाने के लिए कार्य भूमिकाओं की संरचना करना
 - किसी भी महत्वपूर्ण मामले के बारे में दूसरों को सूचित करें
 - संचार के लिए अन्य बाधाओं को कम या समाप्त कर दिया
 - व्यक्तिगत मतभेदों को महत्व दें
- इसलिए, बी, डी, और ई एक शैक्षणिक संस्थान में संचार के प्रबंधन में प्रमुख तत्वों के बारे में सही हैं

The management of communication in an educational institution:

- ✓ Communication management a process of interpersonal influence in a certain situation, in order to achieve certain objectives.
 - ✓ Managing an educational institution means communicating, conveying ideas, feelings, decisions to subordinates, and the possibility of returning information.
 - ✓ The teacher act as a manager in every place like
 - Appeals to silence as a means of non-verbal communication to manage noise created by the students
 - ✓ Guiding others wherever possible
 - Structuring work roles to run work perfectly
 - ✓ Inform others about any important matter
 - Diminished or eliminated other obstacles to communication
 - ✓ Give importance to the individual differences
- Therefore, B, D, and E are correct about prominent elements in the management of communication in an educational institution

6

The competence of an effective communicator can be judged on the basis of-

1. Personality of communication
2. Experience in the field
3. Inter activity with target audience
- ✓ 4. Meeting the needs of target audience

एक प्रभावी संचारक की क्षमता का आंकलन किसके आधार पर किया जा सकता है?

1. संचार का व्यक्तित्व
2. क्षेत्र में अनुभव
3. लक्षित दर्शकों के साथ इंटर गतिविधि
- ✓ 4. लक्षित दर्शकों की जरूरतों को पूरा करना

प्रभावी संचार

1. यह अंततः दर्शकों को प्रभावित करने और एक स्वस्थ संबंध स्थापित करने का तंत्र है।
2. यह पेशेवर और व्यक्तिगत उपयोग के लिए नेटवर्किंग चैनलों की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से एक संबंध बनाने के लिए किया जाता है जिसे समझने की आवश्यकता होती है।

प्रभावी संचार करने के लिए कुछ आवश्यकताएं हैं:

1. **आवश्यकता और आवश्यकता को समझें:** व्यक्ति को पहले संदर्भ और लक्षित दर्शकों को समझना चाहिए और फिर संचार प्रक्रिया में उचित माध्यम और शब्दों के चयन के माध्यम से दर्शकों के विवेक को उपयुक्त रूप से आकर्षित करने के लिए संचार को तैयार करना चाहिए।
2. **सुनना-** एक सुचारु संचार प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए दूसरों की चिंता का ध्यान रखा जाना चाहिए और उन्हें संबोधित किया जाना चाहिए। जब हम दूसरे के दृष्टिकोण पर ध्यान देंगे और स्थिति के अनुसार प्रतिक्रिया देंगे तो सुनने से समझ स्पष्ट हो जाएगी।
3. **श्रोताओं को जानना:** प्रभावी संचार पारस्परिक समझ पर निर्भर करता है जिसे वक्ता और श्रोताओं के बीच समझ के माध्यम से बढ़ावा मिलता है। हमारे लक्षित दर्शकों की पृष्ठभूमि का आकलन करके हमारे संदेश को परिष्कृत किया जा सकता है और दर्शकों की बौद्धिक क्षमता के अनुसार किया जा सकता है।
इस प्रकार लक्षित दर्शकों की जरूरतों को पूरा करने के आधार पर एक प्रभावी संचारक की क्षमता का अंदाजा लगाया जा सकता है



Effective Communication

It is the mechanism to ultimately impact the audience and establish a healthy relationship.

It is done through a wide array of networking channels for professional and personal use to build a relationship that requires understanding.

Some requirements for making effective communication are:

Understand the need and requirement: One should understand the context and the target audience first and then tailor the communication in order to aptly appeal to the audience's conscience through proper choice of medium and selection of words in the communication process.

Listening- The concern of others must be taken care of and addressed to ensure a smooth communication flow. Listening will make understanding clear when we pay attention to other's viewpoints and respond as per the situation.

Knowing the audience: Effective communication depends on mutual understanding which is fostered through understanding between the speaker and the audience. By assessing the background of our target audience our message can be refined and in accordance with the intellectual ability of the audience.

Thus the competence of an effective communicator can be judged on the basis of meeting the needs of the target audience

Which of the following are the most important factors in successful communication ?

(i) Empathy

(ii) Self-awareness

(iii) Memory

(iv) Positive thinking

1. i and ii are correct, while iii and iv are incorrect
2. i, ii, iii are correct, while iv is incorrect
3. i, ii, iii, iv are correct ✓
4. iii and iv are correct, while i and ii are incorrect

7

सफल संचार में निम्नलिखित में से कौन सबसे महत्वपूर्ण कारक हैं?

- ✓ (i) सहानुभूति
- ✓ (ii) आत्म-जागरूकता
- ✓ (iii) मेमोरी
- ✓ (iv) सकारात्मक सोच

1. i और ii सही हैं, जबकि iii और iv गलत हैं
2. i, ii, iii सही हैं, जबकि iv गलत है
3. i, ii, iii, iv सही हैं ✓
4. iii और iv सही हैं, जबकि i और ii गलत हैं

8

Which of the following would influence the effectiveness of communication in classroom instruction in a critical way?

1. Teaching aids used by the teacher while making presentation
2. Teaching style preferred by the teacher while transacting
3. Academic intelligence and personality characteristics of the teacher
4. Subject knowledge of the teacher

निम्नलिखित में से कौन कक्षा निर्देश में संचार की प्रभावशीलता को आलोचनात्मक तरीके से प्रभावित करेगा?

1. प्रस्तुतिकरण करते समय शिक्षक द्वारा उपयोग की जाने वाली शिक्षण सामग्री
2. व्यवहार करते समय शिक्षक द्वारा पसंद की जाने वाली शिक्षण शैली
3. शिक्षक की शैक्षणिक बुद्धि और व्यक्तित्व विशेषताएँ
4. शिक्षक का विषय ज्ञान

a

Given below are two statements- one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R)

Assertion (A): For impact of communication, the individual students must be considered as a product of common cause.

Reason (R): Effective teachers normally attempt to identify the general characteristics of learners to communicate with them.

In the light of the above two statements choose the correct answer from the options given below.

1. Both A and R are true and R is the correct explanation of A.
2. Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A
3. A is true, but R is false.
4. A is false, but R is true.

नीचे दो कथन दिए गए हैं- एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।

अभिकथन (A): संचार के प्रभाव के लिए, व्यक्तिगत छात्रों को सामान्य कारण के उत्पाद के रूप में माना जाना चाहिए।

कारण (R) : प्रभावी शिक्षक सामान्यतः शिक्षार्थियों के साथ संवाद करने के लिए उनकी सामान्य विशेषताओं की पहचान करने का प्रयास करते हैं।

उपरोक्त दो कथनों के आलोक में नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
2. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सच है, लेकिन R झूठा है।
4. R झूठा है, लेकिन A सच है।

10



Effective communication in teaching does not require-

1. Voice modulation
2. Handsome appearance
3. Appropriate gestures
4. Students involvement

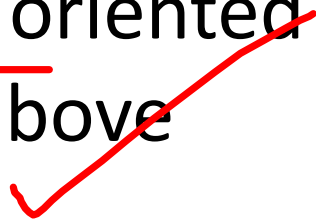
शिक्षण में प्रभावी संचार की आवश्यकता नहीं है

1. आवाज मॉड्यूलन
2. सुंदर उपस्थिति
3. उपयुक्त इशारे
4. छात्रों की भागीदारी

11

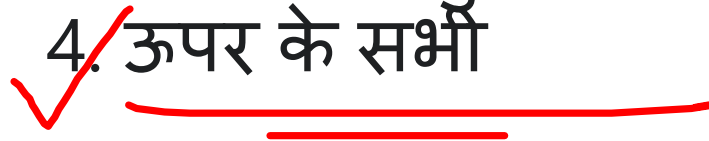
The message for an effective communication, should be-

1. Content rich
2. Context specific
3. Treatment oriented
4. All of the above



एक प्रभावी संचार के लिए संदेश होना चाहिए

1. सामग्री समृद्ध
2. प्रसंग विशिष्ट
3. उपचार उन्मुख
4. ऊपर के सभी



11

Like

Thank